

“ जैनेन्द्रकुमार के साठोत्तरी उपन्यासों का अनुशीलन । ”

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापूर (महाराष्ट्र) की

एम्. फिल (हिन्दी)

उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु - शोध - प्रबन्ध

शोधछात्र

प्रा. बाजीराव लक्ष्मण पवार

एम. ए., बी. एड्.

हिन्दी विभाग, विलिंगडन कॉलेज, सांगली.

शोधनिर्देशक

डॉ. मीनाक्षी खाडिलकर

एम. ए., एम्. एड्. पी. एच. डी.

अध्यक्षा, हिन्दी विभाग

चंपाबेन शाह महिला महाविद्यालय, रतनशीनगर, सांगली.

दिसम्बर. १९९४

डा. मोनाक्षी खाडिलकर
हिन्दी विभागाध्यक्षा,
श्रीमती सी.बी. शाह
महिला महाविद्यालय,
सांगली ।

प्रमाणपत्र

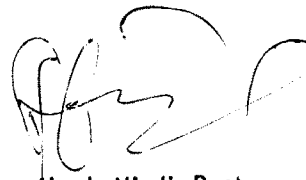
मैं यह प्रमाणित करती हूँ कि प्रा. बाजीराव लक्ष्मण पवार ने मेरे निदेशान में " जैन्द्रकुमार के साठोत्तरी उपन्यासों का अनुशासन " यह लघु-शोध-प्रबन्ध स्म. फिल. [हिन्दी] उपाधि के लिए लिखा है । यह उनको मौलिक रचना है । यह लघु-शोध-प्रबन्ध पूर्ण योजना के अनुसार लिखा गया है । जो तथ्य इस लघु-शोध-प्रबन्ध में प्रस्तुत किये गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार वे सही हैं । मैं सम्पूर्ण शोध-प्रबन्ध के आधोपान्त पढ़कर ही यह प्रमाणपत्र दे रही हूँ । मैं यह भी प्रमाणित करती हूँ कि यह लघु-शोध-प्रबन्ध इसके पूर्व किसी भी विश्वविद्यालय में किसी भी उपाधि के हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया ।

सांगली ।

दिनांक : 30-11-1999 ।

मोना खाडिलकर

[डा. मोनाक्षी खाडिलकर]



Head, Hindi Dept.
Shivaji University,
Kolhapur - 416 004.